अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 14.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा षष्टम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें (आगति व गति कितनी व कहां-कहां से)– 24

(क) सम्यक् मिथ्या दृष्टि।

(ख) तीर्थंकर व चक्रवर्ती।

(ग) बालवीर्य व बालपंडित वीर्य।

(घ) असंज्ञी तिर्यंच।

(ड़) 16 व्यंतर देवों में।

(च) साधु व श्रावक।

(छ) देवकुरू-उत्तरकुरू के यौगलिक।

(ज) प्रथम किल्विषिक।

(झ) पृथ्वी पानी वनस्पति।

(ञ) ज्योतिष्क व प्रथम देवलोक।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें (आगति व गति कितनी व कहां-कहां से)– 16

(क) कापोत लेश्या वाले कापोत लेश्या में जाए तो?

(ख) देवता के भेद व मध्य लोक में जीव के भेद?

(ग) नरक व तिर्यंच के भेद।

(घ) पद्म लेश्या वाले पद्म लेश्या में जाए तो?

(ड़) मनुष्य के भेद व अर्ध पुष्कर द्वीप में जीव के भेद?

कायस्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) बादर क्षेत्र पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ख) अवधिज्ञानी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अन्तर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से कही गई है?

(ग) नपुंसक वेदी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अन्तर लिखते हुए बताएं कि जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य अंतर किस अपेक्षा से लिया गया है?

(घ) विभंगज्ञानी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अन्तर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(ड़) अवधिज्ञानी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अन्तर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(च) मनयोगी वचनयोगी की ज.उ. कायस्थिति व ज.उ. अन्तर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(छ) पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का वर्णन करते हुए लिखें कि पुद्गल परावर्तन में कितनी वर्गणाओं का ग्रहण व परिणाम होता है?

जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें–

(ज) बादर पृथ्वी, अप, तेजस्, वायु, प्रत्येक शरीरी वनस्पति।

(झ) कापोत लेश्यी।

(ञ) मिथ्यात्वी।

(ट) छद्मस्थ अनाहारक।

(ठ) अपर्याप्त।

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) अपर्याप्त सूक्ष्म वनस्पति की ज.उ. कायस्थिति कितनी है?

(ख) अनंतकाल कायस्थिति किन जीवों की होती है?

(ग) त्रीन्द्रिय पर्याप्त की कायस्थिति कितनी है?

(घ) पर्याप्त लब्धि कितने समय तक रहती है?

(ड़) अवेदी के एक समय का क्या तात्पर्य है?

(च) संयतासंयति की ज. कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से?

(छ) अनन्तकायिक जीवों का दूसरा नाम क्या है?

(ज) कायस्थिति व भवस्थिति किसे कहते हैं?

(झ) सम्यक् दृष्टि की सादि अनंत व सादि सान्त स्थिति किस अपेक्षा से है?

(ञ) सामायिक व छेदोपस्थापनीय चारित्र की जघन्य स्थिति एक समय किस अपेक्षा से है?

(ट) काययोग की जघन्य कायस्थिति एक समय की क्यों नहीं हो सकती?

(ठ) संख्यात काल का अर्थ बताएं व द्वीन्द्रिय की उकृष्ट भवस्थिति बताएं?

गीतका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 4

(क) चौदहवें गुणस्थान से कितने कर्म क्षीण होते हैं?

(ख) प्रथम तीन निर्ग्रंथ किन-किन गुणस्थानों से होते हैं?

(ग) व्रत-अव्रत का पृथक्करण किन सूत्रों के आधार पर किया गया है?

(घ) कतंती दान किसे कहते हैं?

(ड़) भगवान ने.....में.....को.....बताया है। मनुष्य जन्म को प्राप्त कर जो व्यक्ति.....होते हैं, वे ही इसका.....कर सकते हैं।

(च) अधर्म दान के परिवार में और कितने दान आते हैं?

प्र. 6 किन्हीं चार पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 16

(क) साधु सूत्र.....में जोय।

(ख) इग्यारमें बारम.....मांयो रे।

(ग) खरच करे.....दान ए।

(घ) साठ सहस्त्र.....ऐसा रे।

(ड़) सगला में.....लगाई रे।

(च) निर्ग्रंथ.....छट्ठे जोय।